IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों मे व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन

डॉ भरत कुमार पंडा Ph.D– आशुतोष उपाध्याय

सहायक प्राध्यापक म. गां . अ . हिं . वि . वि . वर्धा (महाराष्ट्र)

बी. एड- एम. एड (एकीकृत) शोधार्थी म. गां . अ . हिं . वि . वि . वर्धा (महाराष्ट्र)

सारांश

सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों में पढने वाले विद्यार्थियों के भविष्य व्यावसाय को लेकर या उनकी व्यावसायिक निर्णय को लेकर बहुत सी चर्चाये समाज में दिखती है | जैसे- गैर-सरकारी विद्यालयों में विभिन्न विशेष सुविधा के कारण विद्यार्थी के मानस पटल में अधिक व्यावसायिक चयन की सुविधा रहती है तथा स इनके अपेक्षा सरकारी विद्यालय में सुविधा की कमी रहती है |परन्तु विभिन्न सरकारी योजनाओ का लाभ लेकर विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवसायों का चयन करने की भी सम्भावना रहती है | तो ऐसे परिस्थिति में विद्यार्थियों में विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों के वजह से विद्यार्थियों में निर्मित होने वाली व्यवसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना आवश्यक बन जाता है | अतः इस शोध पत्र में सरकारी तथा गैर –सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन करने का एक अभिनय प्रयास किया गया है | उसके लिए सरकारी तथा गैर –सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का व्यावसायिक अभिवृत्ति जानकर उनका तुलनात्मक विश्लेष्ण किया गया है |

Keyword- **सरकारी विद्यालय, गैर - सरकारी विद्यालय, व्यवसाय, व्यावसायिक अभिवृत्ति**

प्रस्तावना

मनुष्य के सर्वांगीण विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है शिक्षा एक ऐसा साधन है जो मानव को प्राणी जगत में अन्य जीवो से अलग करती है । शिक्षा का मानव जीवन में काफी महत्व है शिक्षा के बिना मानव पशु के समान है ।

शिक्षा मानव को एक सामाजिक प्राणी बनाकर सांस्कृतिक धरोहर को आगे आने वाली पीढ़ी में हस्तांतरित करने के काबिल बनाती है शिक्षा से ही मानव का सर्वांगीण विकास होता है । विद्यार्थी के शैक्षिक जीवन में विद्यालय की भूमिका उसी प्रकार होती है जिस प्रकार बालक का पालन –पोषण एवं उसके विकास एक पारिवारिक वातावरण में होता है |बालक का प्रारंभिक विद्यालय परिवार होता है और वह जैसे -जैसे बड़ा होता है तो उसके शैक्षिक जीवन में विद्यालय की भूमिका उसके विकास के लिए अहम होती है | विद्यार्थी के जीवन में विद्यालय में उसे विभिन्न प्रकार के अवसर मिलते है जिसके द्वारा विद्यार्थी को पठन –पाठन के साथ-साथ उसका मानसिक , शारीरिक ,संवेगिक , नैतिक इत्यादि मूल्यों का विकास होता है| तथा भविष्य में व्यावसायिक चयन का भी अवसर मिलता है |

वर्तमान में सरकारी एवं गैर- सरकारी विद्यालयों के प्रति समाज की दृष्टि भिन्न | जब हम विद्यालयों को देखते है तो सरकरी एवं गैर -सरकारी विद्यालयों की की स्थिति भिन्न है | हम सर्वप्रथम सरकारी विद्यालयों का चर्चा करते है तब हम उन्हें दो रूपों में देखते है पहला वह सरकारी विद्यालय जो केंद्र सरकार के द्वारा संचालित होती है , जैसे केन्द्रीय विद्यालय , नवोदय विद्यालय एवं सैनिक विद्यालय है| एवं दुसरे प्रकार में वह सरकारी विद्यालय है जो राज्य सरकार द्वारा संचालित होता है इन दोनों प्रकार के विद्यालयों की भी स्थिति भिन्न – भिन्न होती है | जैसे हम केंद्र सरकार के विद्यालयों में पठन- पाठन की व्यवस्था एवं विद्यालयीय गतिविधि राज्य सरकार के तुलना में अत्यधिक सही है | राज्य सरकार के विद्यालयों की स्थिति वर्तमान में दयनीय हो गई है | जैसे – विद्यालय में शिक्षको की कमी , विद्यालय में पठन –पाठन की प्रक्रिया , शिक्षक –विद्यार्थी चर्चा , व्यावसायिक विषयों के बारे में चर्चा जो विद्यार्थी भविष्य में विभिन्न व्यावसाय का चयन कर सके , तथा अन्य शैक्षिक अवसरों की जानकारी उपलब्धता की कमी इत्यादि |

जब हम गैर –सरकारी विद्यालयों का चर्चा करते है तो हम पहले उन विद्यालयों का चर्चा करते जो विशेष निजी विद्यालय के रूप में प्रचलित है जैसे –दिल्ली पब्लिक स्कूल ,डालिम्स पब्लिक स्कूल एवं सनभीम स्कूल, जो वर्तमान में एक उच्च स्तर के विद्यालय के रूप में

प्रचलित है, जो एक उच्च शैक्षिक स्तर को दर्शाता है | वही ग्रामीण इलाकों में भी इसी के तर्ज पर गैर – सरकारी विद्यालय खुले है | जो इन्ही विद्यालय जैसा नियम ,पठन – पाठन की प्रक्रिया , विद्यालयों में विद्यार्थियों की वेशभूषा (स्कूल ड्रेस) खेलकूद की व्यवस्था अन्य विद्यालयीय गतिविधि सामान है | और शिक्षण शुल्क भी ऐसा है जो एक सामान्य अभिभावक अपने बच्चो के शिक्षा के लिए आसानी से वहन कर सकें | जिससे अभिभावक अपने बच्चो को उचित शिक्षा प्रदान कर सकें |

प्रस्तुत शोध पत्र में सरकारी एवं गैर –सरकारी विद्यालयों के हाई –स्कूल(माध्यमिक) स्तर के विद्यार्थियों का चयन किया गया है | हाई –स्कूल स्तर तक के विद्यार्थियों की शिक्षा सभी विद्यार्थियों को एक सामान होती है ,परन्तु इनके आगे की शिक्षा विभिन्न विषय वर्गों में विभाजित होती है | जैसे – कला एवं मानविकी वर्ग,विज्ञान वर्ग ,वाणिज्य वर्ग , कृषि वर्ग इत्यादि | और इन वर्गो का चयन करने के लिए विद्यार्थी के साथ –साथ शिक्षक एवं विद्यालयों की भूमिका अहम होती है | इससे यह अध्ययन आवश्यक बन जाता है कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृत्ति किस प्रकार है | अतः इस अध्ययन में सरकारी एवं गैर –सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेष्ण किया गया है|

शोध साहित्य की समीक्षा

शर्मा (2012द्धए ने अपने शोध “अनुसूचित जाती एवं अनुसूचित जनजाती वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति व शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन ” में शोध उद्देश्य के रूप में , अनुसूचित जाती एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन एवं शैक्षिक उप्लाब्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया ।

रविशंकर ;2018द्ध ने अपने शोध में “ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का पारिवारिक संरचना ,सामाजिक परिवेश व विद्यालय स्वरुप के परिपेक्ष्य का अध्ययन ” में इन्होने शोध उद्देश्य के रूप में, एकल एवं संयुक्त परिवारों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का अध्ययन ,सरकारी विद्यालय एवं गैर सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का तुलनात्मक अध्ययन तथा ग्रामीण और शहरी परिवेश में रहने वाले एकल एवं संयुक्त परिवारों के व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन का अध्ययन किया गया|

भंडारी (2014), ने अपने शोध अध्ययन पंजाब के मोगा जिले के ग्रामीण और शहरी 200 विद्यार्थियों (100 -100 छात्र तथा छात्राएं)का आकांक्षा स्तर मापने के लिए किया गया है ।

मिश्र (2000) , ने अपने शोध अध्ययन "सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि" का अध्ययन किया गया । इन्होने अपने शोध अध्ययन में प्राथमिक विद्यालय के 100 विद्यार्थियों को चुना गया । इन्होने चित्रकूट जिले के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों (विद्यार्थी- छात्रा) के शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन किया है ।

पाल (2015) ने अपने शोध में " उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक एवं व्यावसायिक आकांक्षा पर तुलनात्मक अध्ययन " में इन्होने शोध अध्ययन में शोध उद्देश्य के रूप में , उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा का तुलना करना एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन को लिया गया ।

अग्रवाल एवं सक्सेना (2016द्ध ने अपने शोध " उच्च एवं निम्न व्यावसायिक आकांक्षा का किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन " में उद्देश्य के रूप में उच्च व्यावसायिक आकांक्षा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न व्यावसायिक आकांक्षा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

दर्शन (2012द्ध ने अपने शोध "नवोदय विद्यालय एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों केआकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन " में उद्देश्य के रूप में , नवोदय विद्यालय एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरुचि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन ,नवोदय एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों में आकांक्षा स्तर का अध्ययन ,एवं व्यावसायिक अभिरुचि का अध्ययन , तह दोनों में तुलनात्मक अध्ययन किया गया ।

यादव , मुरारी ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयों की व्यावसायिक आकांक्षा पर अध्ययन अ जीमे कला एवं विज्ञान वर्गों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक आकांक्षा समान पाई गयी तथा छात्र एवं छत्राओं में भी व्यावसायिक आकंक्षा भी समान पायी गयी । तथा कृष्ण पाल ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के विद्यार्थियों की

शैक्षिक एवं व्यावसायिक आकांक्षा पर तुलनात्मक अध्ययन किया । शुक्ल,संजीव कुमार ने इंटरमीडिएट स्तर के वाणिज्य और विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि का अध्ययन किया । वर्मा,अग्रवाल ने उच्च एवं निम्न व्यावसायिक आकांक्षा का किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन ।

उपर्युक्त अध्ययनों के आधार पर देखा गया कि विद्यार्थिओं की व्यावसायिक,अभीरूचि ,उपलब्धि,आकांक्षा स्तर जानने के लिए पीला भी अध्ययन हो चुके है । वर्तमान समाज में व्यक्ति की आवश्यकता जैसे –जैसे बढती गयी है वैसे -वैसे व्यावसाय के क्षेत्रो में भी विस्तार हुआ है । तथा समाज में केवल उन्ही रोजगारों के लिए आकर्षित होते है जो जो उच्च पद के हो तथा वह किसी के द्वारा सुने हो । परन्तु उन रोजगारों की संख्या सीमित है । और अन्य रोजगार की जानकारी न होने के कारन व्यक्ति बेरोजगार हो जाता है ।समाज में इस समस्या को देखते हुए । इस सन्दर्भ में प्रयुक्त विषय “सरकारी एवं गैर- सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन ” पर शोध कार्य आवश्यक है कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृत्ति में क्या अंतर है और इसके लिए क्या कारण है ।इस समस्या का निरूपण करने के लिए ।इस विषय पर पर शोध करना आवश्यक एवं अनिवार्य है , जिसके माध्यम से समस्यायों के कारणों को जानकर उचित परामर्श एवं निर्देशन दिया जा सकें ।

समस्या कथन

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन

परिभाषिक शब्दावली

सरकारी विद्यालय - शोध में वर्णित सरकारी विद्यालय का तात्पर्य उस विद्यालय से है जिसका देख रेख संरक्षणए शिक्षण कार्य सम्बंधित जैसे- शिक्षक ए पाठ्यपुस्तक. विद्यालय का देख-रेख शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्य तथा वह विद्यालय विभिन्न कार्यो एवं शुल्को का निर्धारण केंद्र सरकार या राज्य सरकार के द्वारा या अंतर्गत किया जाता है|

गैर - सरकारी विद्यालय- शोध में वर्णित गैर सरकारी विद्यालय आवश्यकताओं की पूर्ति राज्य या केंद्र सरकार निर्धारित करती है तथा उसकी व्यवस्था करती है । का तात्पर्य उस विद्यालय से है जिसका देखरेख संरक्षण एवं शिक्षण संबंधित कार्यों की आवश्यकता की पूर्ति

स्वयं या निजी व्यक्ति द्वारा किया जाता हैए तथा वह विद्यालय में विभिन्न कार्यों एवं शुल्कों का निर्धारण स्वयं या निजी व्यक्ति द्वारा किया जाता है ।

व्यवसाय-शोध में वर्णित व्यवसाय का तात्पर्य रोजगार एवं जीविकोपार्जन से है तथा व्यवसाय का अर्थ है कि कोई ऐसा कार्य करना जिससे जीवन में उन्नति हो सके और जीवन की सामाजिक आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके तथा जीविकोपार्जन हो सके जीवन के वे सभी कार्य जो हमारी आर्थिक आवश्यकताओं कि पूर्ति के लिए किए जाते है । वह व्यवसाय कहलाते है । देश ए कालए परिस्थिति के अनुसार रोजी - रोटी कमाने के लिए किसी देश में जो भौतिक तथा सामाजिक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं वे मानव की व्यावसायिक क्षेत्र में स्थापित होने में सहायता करती हैं ।

व्यावसायिक अभिवृत्ति .शोध में वर्णित अभिवृत्ति का तात्पर्य व्यावसायिक अभिवृत्ति से है जिसमें विद्यार्थियों के व्यवसाय के प्रति मनोभावए रूचिए आकांक्षा ,योग्यता जो किसी विशेष व्यावसाय के प्रति आकृष्ट हो एवं उनके आर्थिक जीविकोपार्जन से सम्बंधित हो ।

शोध का उद्देश्य

1.सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन करना ।

2.गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन करना ।

3.सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन करना

शोध परिकल्पना

भ0 1: सरकारी एवं निजी/गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं द्य

शोध परिसीमन

प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश के वाराणसीए चंदौली एवं गाजीपुर जनपद तक ही सीमित है ।

प्रस्तुत शोध केवल कक्षा 9 और 10 तक के विद्यार्थियों तक ही सीमित है ।

जनसँख्या और प्रतिदर्श

जनसँख्या

जनसँख्या का तात्पर्य शोध में वर्णित उन संख्या का होता है जो शोध की सम्पूर्ण संख्या होता है जिनपर सम्पूर्ण शोध कार्य किया जाता है । जनसँख्या व्यक्तियोंए वस्तुओ अथवा तुलना योग्य विशेषता रखने वाले इकाइयों के समूह को कहते है । प्रस्तुत शोध में जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य के वाराणसीए चंदौली एवं गाजीपुर जिले के हाईस्कूल (9वीं एवं 10वीं) स्तर के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है ।

न्यादर्श

न्यादर्श किसी भी शोध कार्य की आधारशिला है । प्रस्तुत शोध उदेश्यों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता द्वारा उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि तथा हिमकंदुक न्यादर्श विधि का उपयोग करते हुए वाराणसीए चंदौली एवं गाजीपुर जनपद के कुल 70 विद्यार्थियों का चयन किया गया ।

तालिका -1

विद्यालय के प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या
सरकारी विद्यालय	37
निजी/गैर सरकारी विद्यालय	33

तालिका -2

विद्यार्थी	विद्यार्थियों की संख्या
छात्र	41
छात्राएं	29

शोध में प्रयुक्त उपकरण

अनुसन्धान कार्य में आकड़ो का चयन करने के लिए शोध उपकरण अथवा प्रविधियों की आवश्यकता पड़ती है । जिसके माध्यम से शोधकर्ता शोध हेतु आकड़ो का संकलन करता है । प्रस्तुत शोध में उपकरण के रूप में शोधकर्ता द्वारा स्वदृनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया । शोधकर्ता द्वारा सरकारी एवं गैर दृसरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का व्यावसायिक अभिवृत्ति जानने के लिए व्यावसायिक अभिवृत्ति प्रपत्र प्रश्नावली का निर्माण किया गया ।

आंकड़ों का विश्लेषण

1. : सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन

तालिका क्रमांक 4.2सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति तालिका

वर्ग अन्तराल	स्तर	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिरुचि विषय अनुसार (प्रतिशत में)						
		कृषि	अभियांत्रिकी	कला	प्रशासनिक	गृह विज्ञान	राजनीति	साहित्य
15.18	उच्च व्यावसायिक अभिवृति	45ᵛ95	40ᵛ54	32ᵛ43	56ᵛ76	29ᵛ73	32ᵛ43	27ᵛ03
10.14	औसत व्यावसायिक अभिवृति	43ᵛ24	48ᵛ65	54ᵛ06	24ᵛ33	48ᵛ65	35ᵛ14	54ᵛ06
06.09	निम्न व्यावसायिक अभिवृति	10ᵛ81	10ᵛ81	13ᵛ51	18ᵛ91	21ᵛ62	32ᵛ43	18ᵛ91
	कुल प्रतिशत	100	100	100	100	100	100	100

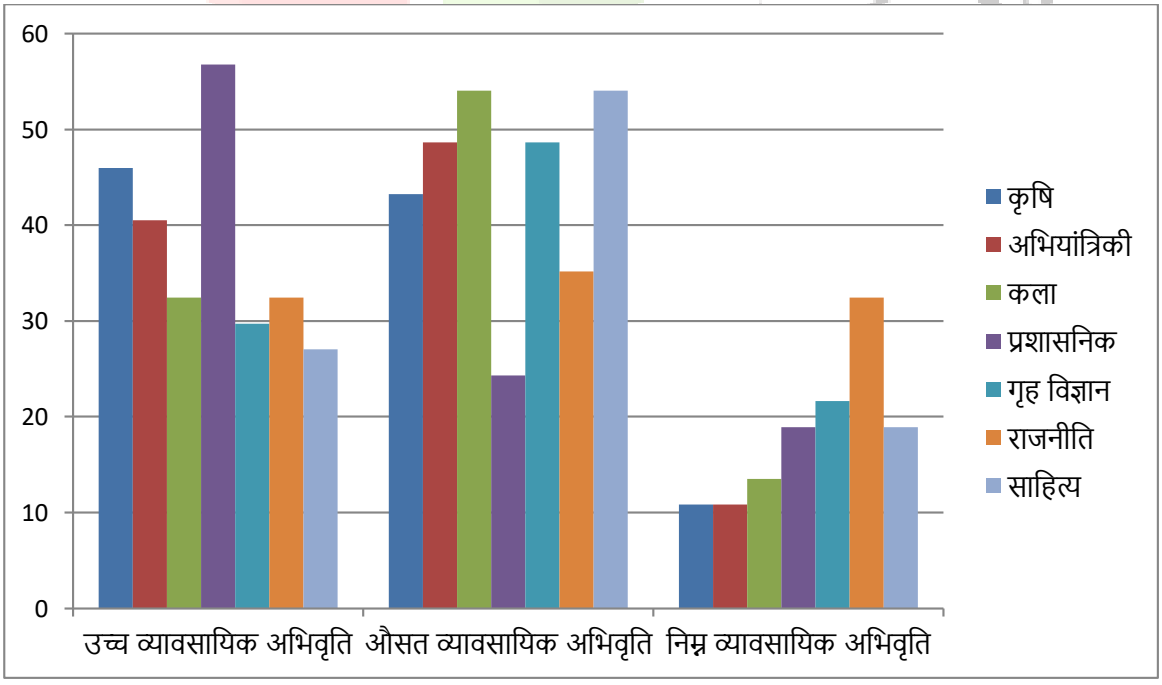

तालिका क्रमांक 4.2 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सरकारी विद्यालय के 37 विद्यार्थियों की कृषि विषय के प्रति व्यावसायिक अभिवृति में 45ण95 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 43ण24 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 10ण81 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको कृषि के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि कृषि विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की कृषि विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । इसी प्रकार अभियांत्रिकी विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति में 40ण54 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 48ण65 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 10ण81 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको अभियांत्रिकी के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि अभियांत्रिकी विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की अभियांत्रिकी विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । कला विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 32ण43 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 54ण06 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 13ण51 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको कला के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि कला विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की कला विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । प्रशासनिक विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 56ण76 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 24ण33प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 18ण91 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको प्रशासनिक विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि प्रशासनिक विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की प्रशासनिक विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । गृह विज्ञान विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 29ण73 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 48ण65 प्रतिशत

विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 21ण्62 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको गृह विज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि गृह विज्ञान विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की गृह विज्ञान विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । राजनीति विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 32ण्43 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 35ण्14 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 32ण्43 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको राजनीति के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि राजनीति विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की राजनीति विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । साहित्य विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 27ण्03 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 54ण्06 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 18ण्91 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको साहित्य के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि साहित्य विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की साहित्य विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।

उपयुक्त तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशासनिक विषय के प्रति अभिवृति अन्य विषयों की तुलना में अधिक व उच्च स्तर की है जबकि साहित्य और कला विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है इसके अतिरिक्त राजनीति विषय के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर पर अधिक है ।

2.- गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन

तालिका क्रमांक 4.5 गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति तालिका

वर्ग अन्तराल	स्तर	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिरुचि विषय अनुसार (प्रतिशत में)						
		कृषि	अभियांत्रिकी	कला	प्रशासनिक	गृह विज्ञान	राजनीति	साहित्य
15.18	उच्च व्यावसायिक अभिवृति	**36प37**	**27प27**	**24प24**	**36प**36	**27प28**	**39प39**	**30प30**
10.14	औसत व्यावसायिक अभिवृति	**45प45**	**57प58**	**48प48**	**57प5**8	**54प54**	**45प46**	**54प54**
06.09	निम्न व्यावसायिक अभिवृति	**18प18**	**15प15**	**27प28**	**6प**06	**18प18**	**15प15**	**15प16**
	कुल प्रतिशत	100	100	100	100	100	100	100

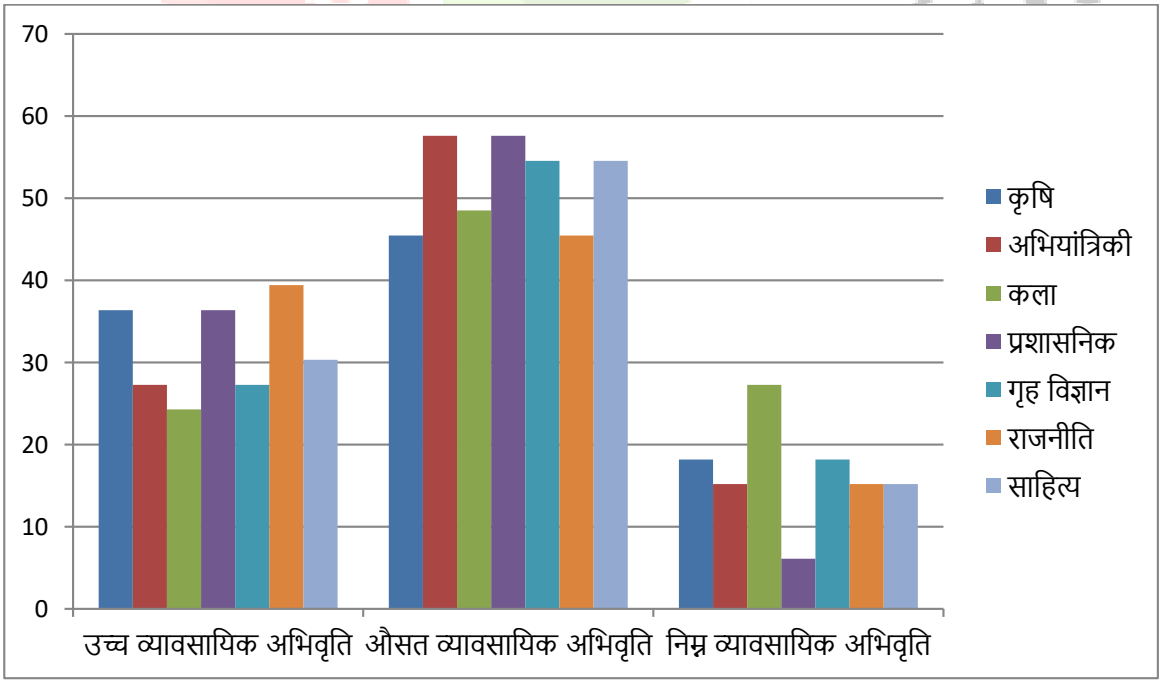

तालिका क्रमांक 4.5 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि गैर-सरकारी विद्यालय के 33 विद्यार्थियों की कृषि विषय के प्रति व्यावसायिक अभिवृति में 36ण्37 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 45ण्45 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 18ण्18 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको कृषि के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि कृषि विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की कृषि विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । इसी प्रकार अभियांत्रिकी विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी की व्यावसायिक अभिवृति में 27ण्27 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 57ण्58 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 15ण्15 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको अभियांत्रिकी के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि अभियांत्रिकी विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की अभियांत्रिकी विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । कला विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 24ण्24 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 48ण्48 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 27ण्28 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको कला के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि कला विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की कला विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । प्रशासनिक विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 36ण्37 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 57ण्57 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 6ण्06 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको प्रशासनिक विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि प्रशासनिक विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की प्रशासनिक विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । गृह विज्ञान विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 27ण्28 प्रतिशत विद्यार्थियों की

अभिवृति उच्च स्तर की है 54ण्54 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 18ण्18 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको गृह विज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि गृह विज्ञान विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की गृह विज्ञान विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । राजनीति विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 39ण्39 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 45ण्46 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 15ण्15 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको राजनीति के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि राजनीति विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की राजनीति विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । साहित्य विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 30ण्30 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति उच्च स्तर की है 54ण्54 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर की तथा 15ण्16 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर की है अर्थात उनको साहित्य के अतिरिक्त अन्य विषय में रूचि अधिक है । उपयुक्त विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि साहित्य विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है जिसका तात्पर्य है की साहित्य विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।

उपयुक्त तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट हो जाता है कि गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की राजनीति विषय के प्रति अभिवृति अन्य विषयों की तुलना में अधिक व उच्च स्तर की है जबकि अभियांत्रिकी विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति मध्यम स्तर पर अधिक है इसके अतिरिक्त कला विषय के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृति निम्न स्तर पर अधिक है ।

उद्देश्य 3.: सरकारी एवं निजी/गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

तालिका 4.8 : सरकारी एवं निजी/गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति फलांकों का T-परीक्षण

	मध्यमान	मानक विचलन	N	कि	T.ज्मेज	सार्थक
निजी/गैर-सरकारी	90.84	13.21	37	68	0.13	नहीं
सरकारी	90ण्35	16ण्78	33			

'005 स्तर पर सारणी मान = 1.99

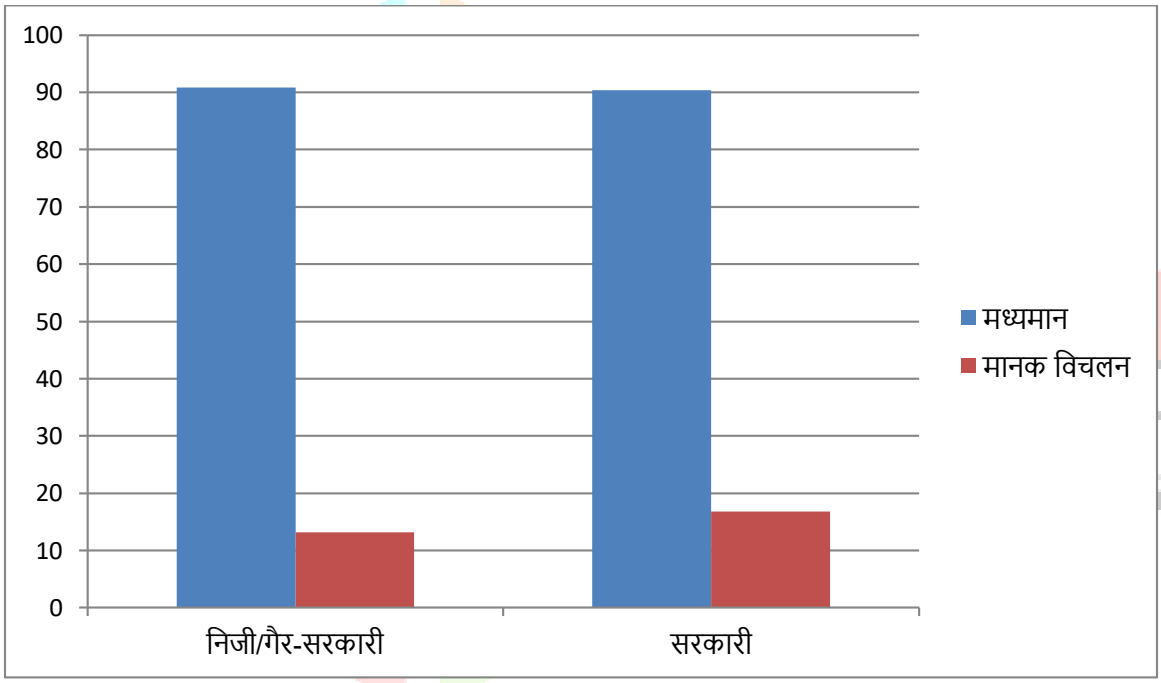

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.8 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सरकारी एवं निजी/गैर-सरकारी विद्यालयों के 70 विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति फलांकों की तुलना करने पर यह ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय के 33 विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति के फलांकों का माध्य 90ण्35 है तथा मानक विचलन 16ण्78 है । इसी प्रकार निजी/गैर-सरकारी विद्यालय के 37 विद्यार्थियों की अभिवृति के फलांकों का माध्य 90.84 तथा मानक विचलन 13.21 है । सरकारी एवं निजी/गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति फलांकों का T-परीक्षण मान 0.13 है जिसका कि68 पर सार्थकता मान 1.99 है । यह मान तालिका मान 0.05 से कम है । इसलिए सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है । अतः कह सकते है कि शून्य परिकल्पना सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति के माध्य फलाकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है, को निरस्त नहीं किया जाएगा

अर्थात सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों कि व्यवसायिक अभिवृति एक समान होती है उनकी व्यावसायिक अभिवृति मे कोई अंतर नहीं होता है । परिणामस्वरूप कहा जा सकता है की विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति पर उनके विद्यालय का कोई प्रभाव नही पड़ता है ।

अध्ययन के मुख्य परिणामऔर निष्कर्ष

उद्देश्य 1. : सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति के परिणाम

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की विभिन्न विषय क्षेत्रों जैसे- कृषिए अभियांत्रिकीए कलाए प्रशासनिकए गृह विज्ञानए राजनीति और साहित्य विषयों के प्रति सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी भिन्न-भिन्न स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रखते है किन्तु प्रशासनिक विषय के प्रति 56ण्76 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति अन्य विषयों की तुलना में अधिक व उच्च स्तर की हैए जबकि 54ण्06 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति कला और साहित्य विषय के प्रति मध्यम स्तर पर सबसे अधिक है इसके अतिरिक्त 32ण्43 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर पर अधिक है । अतः यह कहा जा सकता है कि सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की सभी क्षेत्रों में रूचि है किन्तु वह प्रशासनिक विषय के प्रति अन्य विषयों की तुलना में उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । इसी प्रकार साहित्य विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है और राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है

उद्देश्य 2. : गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति के परिणाम

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की विभिन्न विषय क्षेत्रों जैसे- कृषिए अभियांत्रिकीए कलाए प्रशासनिकए गृह विज्ञानए राजनीति और साहित्य विषयों के प्रति गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी भिन्न-भिन्न स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रखते है किन्तु राजनीति विषय के प्रति 39ण्39 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति अन्य विषयों की तुलना में अधिक व उच्च स्तर की हैए जबकि 57ण्58 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति प्रशासनिक और अभियांत्रिकी विषय के प्रति मध्यम स्तर पर सबसे अधिक है इसके अतिरिक्त 27ण्28 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति कला विषय के प्रति निम्न स्तर पर अधिक है । अतः यह कहा जा सकता है कि गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की सभी क्षेत्रों में रूचि है किन्तु

वह राजनीति विषय के प्रति अन्य विषयों की तुलना में उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । इसी प्रकार अभियांत्रिकी और प्रशासनिक विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है और कला विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।

उद्देश्य 3. : सरकारी एवं गैर –सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति के तुलनात्मक परिणाम

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की विभिन्न विषय क्षेत्रों जैसे- कृषिए अभियांत्रिकीए कलाए प्रशासनिकए गृह विज्ञानए राजनीति और साहित्य विषयों के प्रति हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थी भिन्न-भिन्न स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रखते है किन्तु प्रशासनिक विषय के प्रति 47ण्14 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति अन्य विषयों की तुलना में अधिक व उच्च स्तर की हैए जबकि 54ण्28 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति साहित्य विषय के प्रति मध्यम स्तर पर अधिक है इसके अतिरिक्त 24ण्29 प्रतिशत विद्यार्थियों की अभिवृति राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर पर अधिक है । अतः यह कहा जा सकता है कि हाईस्कूल (9वीं एवं 10वीं) स्तर के विद्यार्थियों की सभी क्षेत्रों में रूचि है किन्तु वह प्रशासनिक विषय के प्रति अन्य विषयों की तुलना में उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । इसी प्रकार साहित्य विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है और राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।

5.2 निष्कर्ष

1. हाईस्कूल (9वीं एवं 10वीं) स्तर के विद्यार्थियों की रूचि प्रशासनिक विषय के प्रति उच्च स्तर पर अधिक है । इसी प्रकार साहित्य विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है और राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।
2. सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी प्रशासनिक विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । जबकि साहित्य और कला विषय के प्रति मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है तथा कृषि और राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।
3. सरकारी विद्यालय के बालक प्रशासनिक विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । जबकि अभियांत्रिकी विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है तथा राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।

4. सरकारी विद्यालय की बालिकाएं अभियांत्रिकी विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखती है । जबकि कला विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखती है तथा राजनीति विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखती है ।
5. गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी राजनीति विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । जबकि अभियांत्रिकी विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है तथा कला विषय निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।
6. गैर-सरकारी विद्यालय के बालक राजनीति विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखते है । जबकि प्रशासनिक विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति अधिक रखते है तथा कला विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते है ।
7. गैर-सरकारी विद्यालय की बालिकाएं प्रशासनिक विषय के प्रति उच्च स्तर की अभिवृति अधिक रखती है । जबकि अभियांत्रिकी विषय के प्रति वह मध्यम स्तर की अभिवृति की अधिक रखती है तथा कला विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखती है ।
8. सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति में सार्थक अंतर नहीं है अतः यह कह सकते है की सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों में एक समान स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रहती है । उनकी व्यावसायिक अभिवृति पर उनके विद्यालय का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
9. सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के बालकों की व्यावसायिक अभिवृति में सार्थक अंतर नहीं है अतः यह कह सकते है की सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के बालकों में एक समान स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रहती है । उनकी व्यावसायिक अभिवृति पर उनके विद्यालय का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
10. सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय की बालिकाओं की व्यावसायिक अभिवृति में सार्थक अंतर नहीं है अतः यह कह सकते है की सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय की बालिकाओं में एक समान स्तर की व्यावसायिक अभिवृति रहती है । उनकी व्यावसायिक अभिवृति पर उनके विद्यालय का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

5.3 शोध का शैक्षिक निहितार्थ और महत्व

प्रस्तुत शोध का महत्व इस प्रकार से समझा जा सकता है कि इसकी सहायता से सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा सकता है । साथ ही साथ उनको उपयुक्त क्षेत्र चयन के लिए किस प्रकार से अध्ययन करना चाहिए आदि सुझाव भी दिये जा सकते है । प्रस्तुत शोध अध्ययन शैक्षिक दृष्टि से बहुत अधिक महत्वपूर्ण है । प्रस्तुत शोध शिक्षक और विद्यार्थी दोनों कि दृष्टि से महत्वपूर्ण है । प्रस्तुत शोध कि सहायता से शिक्षक को विद्यार्थी के संदर्भ को जानने का अवसर प्राप्त होगा साथ ही साथ उसको विद्यार्थियों को शिक्षण देने मे भी सहायता मिलेगी । प्रस्तुत शोध का शैक्षिक निहितार्थ निम्न स्तर है दृ

1ण सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का अध्ययन करते रहना चाहिए और उसके अनुसार उन्हें शिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए ।

2ण विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति का विकास करना चाहिए ताकि उनके भीतर की क्षमताओं का विकास हो सकें ।

3ण विद्यार्थियों के अभिभावकों को परामर्श प्रदान करना चाहिए ताकि वह विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृति में उनका साथ दे और उनपे अपनी आकाँक्षाओं को न थोपे ।

4ण विद्यालय स्तर पर विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रम को एक विषय के तौर पर चलाया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी में आरम्भ से ही व्यवसाय के संबंध में सभी जानकारी हो और वह उचित समय पर उचित निर्णय लेने में भी सक्षम रहें ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अनीताए एम॰ ;2017द्ध॰ बच्चों की शिक्षा पर अभिभावकीय आकांक्षा .सरकारी स्कूलोन पर एक अध्ययन॰ कवपरूीजजचरूध्धीकसणींदकसमण्दमजध10603ध195045

कुमारए एम॰ ;2017द्ध॰ ए स्टडि ऑफ प्रॉफेश्नल कमिटमेंट ऑन मिडिल स्कूल टीचर॰ *इंटरनेशनल एडुकेशन–रिसर्च जर्नल*ए *3*;10द्धए 43.46॰

कुमारए आर॰ ;2018द्ध॰ तृतीय श्रेणी के अध्यापकों की अपने व्यवसाय मे अभिरुचि एवं संतुष्टि का अध्ययन॰ *स्कोलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमनीति साइन्स–इंग्लिश लैड्ग्वेज*ए *5*;25द्धए 6910.6922॰

कौलए एल॰ ;2018द्ध॰ *शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली*ग्नोएडारू विकास पब्लिशिंग हाउस॰

गुप्ताए आर॰ के॰ ;2017द्ध॰ कला संकाय एवं विज्ञान संकाय के सेवपूर्व अध्यापकों के आत्म संप्रत्यय एवं शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन॰ *एशियन जौरनल ऑफ एडुकेशनल रिसर्च–टेक्नालजी*ए *7*;2द्धए 32.37॰

गुप्ताए एस॰ पी॰ ;2009द्ध॰ *सांख्यिकीय विधियाँ*ग्नई दिल्लीरू सुल्तान चंद एवं संस एडुकेशनल पुब्लिशर्स ॰

गुप्ताए एस॰ पी॰ ;2016द्ध॰ *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन*ग्इलाहाबादरू शारदा पुस्तक भवन॰

गुप्ताए एस॰ पी॰ए –गुप्ताए ए॰ ;2012द्ध॰ *उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान*ग्इलाहाबादरू शारदा पुस्तक भवन॰

तिवारीए आर॰ ;2018द्ध॰ व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन रू उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थी॰ *ग्लोबल जर्नल ऑफ इंजीनियर्स साइन्स अँड रिसर्चेस*ए *5*;9द्धए 238.242॰

तिवारीए एस॰ ;2015द्ध॰ शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय मे कार्यरत बी॰एड॰ प्रशिक्षित शिक्षिकाओं की शैक्षिकए आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति के उन्नयन मे व्यावसायिक

शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन॰ *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी–ह्यूमनीतिए 6*;5द्धए 102.108॰

दर्शनए डी॰ ;2012द्ध॰ नवोदय एवं सामान्य विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन॰ *शैक्षिक लघु शोध संकलित*ए 89.94॰

पालए के॰ ;2015द्ध॰ उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चत्तर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक व व्यावसायिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन॰ *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडुकेशन एंड साइन्स रिसर्च रिवियूए 2*;3द्धए 101.104॰

मंगलए एस॰ केण्ए –मंगलए एस॰ ;2014द्ध॰ *व्यावहारिक विज्ञानों मे अनुसंधान विधियाँ*न्ई दिल्लीरू पीएचआई प्राइवेट लिमिटेड॰

यादवए एम॰ एसण्ए –लखेड़ाए एस॰ के॰ ;2018द्ध॰ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का एक अध्ययन॰ *रेमर्किंग एन अनलिसेशनए 3*;7द्धए 156.159॰

रानीए आर॰ ;2019द्ध॰ माध्यमिक स्तर के विज्ञान एवं कला संकाय के अध्यापकों की व्यावसायिक रुचि लिंगए क्षेत्र ओर विद्यालय प्रकार के आधार पर॰ *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड एडुकेशनल रिसर्चए 4*;3द्धए 10.14॰

रायए पी॰ एन॰ ;1993द्ध॰ *अनुसंधान परिचय*ञ्आगरारू लक्ष्मीनारायण प्रकाशन॰

शंकरए आरण्ए कुमारए वीण्ए –अरोराए एस॰ ;2018द्ध॰ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का पारिवारिक संरचनाए सामाजिक परिवेश व विद्यालय स्वरूप के परिप्रेक्ष्य मे अध्ययन॰ *रिवियू ऑफ रिसर्चए 7*;9द्धए 1.5॰

शर्माए बी॰ ;2017द्ध॰ प्रारम्भिक शिक्षा के भावी शिक्षकों की अध्यापन व्यवसाय के प्रति अभिवृतिए वचनबद्धता तथा जीवन संतुष्टि का अध्ययन॰ *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ कॉमर्सए आर्ट्स एंड साइन्सए 8*;2द्धए 271.287॰

सक्सेनाए ए॰ के॰ ;2016द्ध॰ *शिक्षा मे अनुसंधान*ञ्जयपुररू पोइण्टर्स पब्लिशर्स॰

सिंहए ए॰ के॰ ;2015द्ध॰ *मनोविज्ञानए समाजशास्त्र तथा शिक्षा मे अनुसंधान विधियाँ*न्ई दिल्लीरू मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन.